Mahavir Swami Aarti

महावीर स्वामी की आरती

जय महावीर प्रभो, स्वामी जय महावीर प्रभो।
कुंडलपुर अवतारी, त्रशिलानंद वभिो॥ ॥ ॐ जय॥ 1 ॥

सद्धिारथ घर जन्मे, वैभव था भारी, स्वामी वैभव था भारी।
बाल ब्रह्मचारी व्रत पाल्यौ तपधारी ॥ ॐ जय॥ 2 ॥

आतम ज्ञान वरिागी, सम दृष्टि धारी।
माया मोह वनिाशक, ज्ञान ज्योति जारी ॥ ॐ जय॥ 3 ॥

जग में पाठ अहसिा, आपहि वस्तिार्यो।
हसिा पाप मटिाकर, सुधर्म परचिार्यो ॥ ॐ जय॥ 4 ॥

इह वधिि चांदनपुर में अतशिय दरशायौ।
ग्वाल मनोरथ पूर्यो दूध गाय पायौ ॥ ॐ जय ॥ 5 ॥

प्राणदान मन्त्री को तुमने प्रभु दीना।
मन्दरि तीन शखिर का, नर्मिति है कीना ॥ ॐ जय॥ 6 ॥

जयपुर नृप भी तेरे, अतशिय के सेवी।
एक ग्राम तनि दीनों, सेवा हति यह भी ॥ ॐ जय॥ 7 ॥

जो कोई तेरे दर पर, इच्छा कर आवै।
होय मनोरथ पूरण, संकट मटि जावै ॥ ॐ जय॥ 8 ॥

नशिि दनि प्रभु मन्दरि में, जगमग ज्योति जरै।
हरि प्रसाद चरणों में, आनन्द मोद भरै ॥ ॐ जय॥ 9 ॥